तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार विभाग, म.प्र. शासन

नवीन पहल

1. दिशा *(DISHA - DIRECTION IN SKILLING FOR HOLISTIC ACTION*
- समग्र कार्रवाई के लिए कौशल विकास को दिशा) :

2. केंद्र और प्रदेश सरकार के अनेक अभिकरणों ने कौशल विकास संबंधी आधारभूत संरचनाओं एवं संसाधनों में निवेश किया है और साथ ही निजी निवेश भी इस क्षेत्र में निरंतर हुआ है| परन्तु यह अक्सर देखा जाता है कि है कि कौशल विकास क्षेत्र में आधारभूत संरचना हेतु निवेश का निर्णय करते समय इस क्षेत्र में पूर्व से किये गये निवेश से बनी आधारभूत संरचनाओं एवं उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग आदि को सामान्यत: विचार में नही लिया जाता है ।

· कौशल विकास क्षेत्र के उद्देश्यों को शीघ्रता व न्यूनतम आवश्यक निवेश से प्राप्त करने की दृष्टि से शासकीय एवं निजी क्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं में उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं एवं संसाधनों के अधिकाधिक उपयोग किए जाने के उद्देश्य हेतु दिशा पहल अपनायी जा रही है ।

· इस पहल के तहत कौशल विकास संचालनालय और विभिन्न कौशल संबंधी संस्थानों के मध्य एम.ओ.यू. कर संसाधनों की अधिकाधिक एवं साझा उपयोग की अवधारणा को साकार किया जा सकेगा ।

· कौशल विकास संचालनालय द्वारा संस्थानों के चिन्हांकन एवं उपलब्ध संसाधनों के साझा उपयोग हेतु एम.ओ.यू. किये जाने की कार्यवाही की जा रही है, जिससे QUEST और 7ए ढांचे में कौशल के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी समन्वित की जा सके एवं इससे समग्र निर्णय व संसाधनों का पूर्ण उपयोग संभव हो सकें।

Officer-in-Charge - Mr. Shakti Singh Contact Number : 8103513593

3. 1. 7 ए (7 A – Admission, Attendance, Attention, Achievement, Accomplishment, Assessment, Alignment and Autonomy)

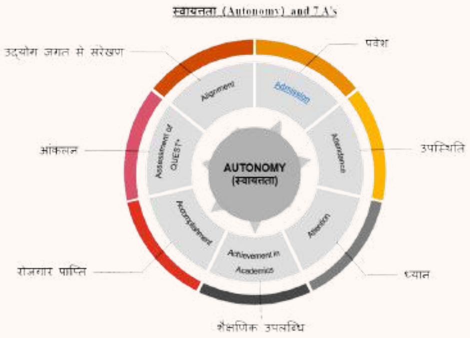

· कौशल व शैक्षणिक संस्थानों के सुचारू संचालन हेतु कई पहलूओं, जैसे प्रवेश, उपस्थिति, ध्यान, उपलब्धि (शैक्षणिक), प्लेसमेंट तथा प्लेसमेंट-पश्चात-सहायता, उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम परिवर्तन, संस्थानों की स्वायत्तता, पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है।

· शासकीय क्षेत्र की संस्थाओं में उक्त बिन्दुओं पर ध्यान देने से गुणवत्ता वृद्धि के साथ जवाबदेही व स्वायत्ता संबंधितों की जवाबदेही आदि, पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है।

· राज्य में कौशल संचालन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उक्त 7 ए बिन्दुओ पर निजी क्षेत्र की संस्थाओं में भी, बिना दखल दिये समन्वय कर, ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।

·7 ए से संबंधित जानकारी एक डैशबोर्ड में संधारित होगी। जानकारी के निरंतर प्रवाह से प्रशिक्षुओं की एक प्रोफ़ाइल निर्मित हो जाएगी, जिससे उनकी रोजगार योग्यता की ट्रैकिंग में सुधार होगा ।

Officers-in-Charge - Dr. Mukesh Mishra Contact Number: 9826822548, Dr. Juhi Jain Contact Number : 9425609697, Mr. Prakash Vijayvargiya Contact Number : 9926616520 Er. S.B Chaube Contact Number: 9425439995, Dr Rajesh Sisodia Contact Number : 8349861441

4. QUEST (Q.U.E.S.T. – Quality, Utility, Efficiency, Sustainability, Timeliness):

·प्रत्येक पाठयक्रम के महत्वपूर्ण पहलूओ में उसकी गुणवत्ता, उपयोगिता (प्रासंगिकता), दक्षता और प्रभावशीलता, बदलती अर्थव्यवस्था में कौशल की स्थिरताऔर समय पर पहुंच सम्मिलित हैं।

· उद्योगों की आवश्यकतानुसार कौशल क्षेत्र के पाठयक्रमों के चयन हेतु प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संर्वधन विभाग की अध्यक्षता में एक सक्षम समिति गठित किया जाना प्रस्तावित है जो पाठयक्रमों का चयन करेगी ।

· चयनित पाठ्यक्रम के प्रासंगिक पहलुओं का विवरण देने के लिए पाठ्यक्रम विशिष्ट सलाहकार समितियाँ गठित की जाएगी जो पाठयक्रम विशिष्ट के लिए विस्तृत विवरण देंगी।

Officer-in-Charge - Er. C.G Dhabu Contact Number : 6260225324

5. HUNAR (HUNAR - Holistically Upskilling NARi-shakti):

· इस पहल का उदेश्य महिलाओं और युवतिओं के कौशल विकास पर विशेष जोर देना है ।

· इस पहल में संयुक्त राष्ट्र महिला (UN WOMEN) जैसी एजेंसियों के पूर्व से किये गये प्रयासों को व्यापक बनाने की योजना है।

·इस प्रयास के अंतर्गत महिलाओं को वर्तमान अवश्यकताओ के अनुरूप कौशल प्रदान किये जाएगे, जिससे महिलाएं उद्यमिता / रोज़गार के माध्यम से आजीविका प्राप्त कर सकें । पहल के प्रारंभिक चरण में प्रयास किया जाएगा कि महिलाओं को इस हेतु विस्थापन न करना पडे एवं भविष्य में आवश्यकता अनुसार निर्णय ले सके।

Officer-in-Charge - Mr. Sunit Sizaria Contact Number: 7566664601

6. DAKSH (DAKSH - Direct Application of Knowledge and Skills):

· प्राय: यह देखा जाता है कि कौशल प्रशिक्षण बाजार की वास्तविकताओं से भिन्न होता है जबकि बाजार उन्मुखी व्यवस्था में प्रशिक्षण एवं बाजार की मांग में अंतर नहीं होना चाहिए।

· इस हेतु प्रशिक्षण में गुणवत्ता और मांग अनुसार समयबद्धता की आवश्यकता है, ताकि प्रशिक्षु उत्पादों और सेवाओं का विश्वसनीय प्रदाता बन सके।

· इस पहल का प्रयास यह है कि अपने शिक्षकों की मदद से छात्रों को बाजार का अनुभव दिया जाए, जिससे छात्र वास्तविक दुनिया की वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करने की व्यवस्था में स्वयं भाग लेकर बाजार की आवश्यकताओं एवं स्तर का प्रत्यक्ष अनुभव कर सीख सकें ।

· पहल में संस्थानों को लाभ अर्जित करने की दृष्टि से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसे एमपी कौशल कॉर्नर के रूप में विकसित किया जाएगा । इस प्रक्रिया में उद्यम के वित्तीय पहलूओं पर भी बल दिया जाएगा। छात्रों के लिए वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने और उनकी शिक्षा को सुविधाजनक बनाने के लिए तकनीकी शिक्षा संस्थानों के भीतर उपयुक्त धारा 8 कंपनियों को शामिल करने का प्रस्ताव है

Officer-in-Charge - Dr. Saurabh Tiwari Contact Number : 9893281092

7. VIDYUT (VIDYUT - Value Is Double when Youth Understand Technology):

· प्रौद्योगिकी में तेजी से वृद्धि के साथ, युवाओं की मूल्य-निर्माण क्षमता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाना महत्वपूर्ण हो जाता है।

· युवाओं को प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक और दैनिक पहलुओं पर शिक्षित करने के लिए तकनीकी शिक्षा संचालनालय द्वारा विद्युत कार्यक्रम लागू किया जाएगा।

· पहल में ऐसे विषयों को शामिल किया जाएगा जिनमें युवाओं को तकनीक का ज्ञान आवश्यक है ।

· इस प्रयास में तकनीकी ज्ञान को सरल भाषा में प्रस्तुत किया जाएगा ताकि आम जनमानस भी समझ कर उसका उपयोग कर सकें ।

· तकनीकी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग वास्तविक जैसे अनुभव देने के लिए किया जा सकता है जिस पर इस प्रयास में जोर दिया जाएगा

Officer-in-Charge - Er. Rajat Rusia Contact Number 9893486842

8. SRUTI (SRUTI - State-wide Reach-out for Understanding Technology and Innovation):

· ग्रामीण और उप-शहरी क्षेत्रों में पारंपरिक और नवीन प्रौद्योगिकी के पर्याप्त उदाहरण हैं, जिनके दस्तावेजीकरण की आवश्यकता है।

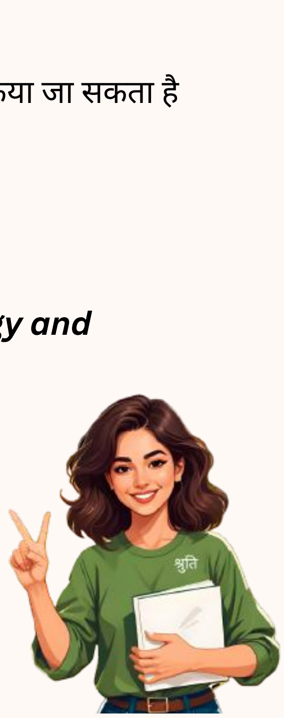

· ऐसे प्रौद्योगिकी उदाहरणों को व्यापक तौर पर अपनाने की सुविधा दी जाए तो ऐसे ज्ञान से संपूर्ण समाज लाभांवित हो सकता है ।

· इस पहल में प्रौद्योगिकी उदाहरणों को सामान्य उपयोग के लिए पेटेंट कराने और दस्तावेजीकरण करने में सहायता करना सम्मिलित किया जाएगा ।

Officer-in-Charge - Dr. Laxminarayan Reddy Contact : 9425365364

9. ***SRIJAN (SRIJAN - Students Researching in Just About Anything):***

· इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में अध्ययन के दौरान छात्रों के प्रोजेक्ट्स का अत्याधिक महत्व होता है। छात्र प्रोजेक्ट्स छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रदान करती है ।

· कतिपय छात्र परियोजनाए उत्कृष्ठ श्रेणी की होती है जिन्हें कि प्रोत्साहित कर वृहद स्तर पर ले जाया जा सकता है । ऐसी परियोजनाओं को मान्यता और सुविधा देकर स्टार्ट-अप स्थापित करने में सहायता की जा सकती है।

· राजीव गांधी प्रोद्योगिकी विश्व विद्यालय के माध्यम से अच्छी परियोजनाओं को प्रोत्साहित किये जाने की पहल की जा रही है ताकि छात्रों की ऐसी परियोजनाओं को मूर्त रूप तक पहुँचाया जा सके ।

Officer-in-Charge - Dr. D.K Agrawal Contact Number : 7067640159

10. ***MANTR (MANTR – Mentorship Action for Nurturing, Training and Resilience):***

· यह पहल इस अवधारणा पर आधारित है कि युवाओं में वास्तविक दुनिया के अनुरूप कौशल और रोजगार की योग्यता विकसित करने में प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्रों में सफल रहे व्यक्ति नए छात्रों को सलाह एवं मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।

· इस हेतु मंत्र पहल प्रारंभ की जा रही है जिसमें प्रौद्योगिक आधारित क्षेत्र में सफल रहे व्यक्ति जैसे कि इंजीनियरिंग एवं पोलीटेक्निक के पूर्व छात्र आदि वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकें ।

· इस पहल के माध्यम से छात्रों को मार्गदर्शन प्राप्त होगा एवं भविष्य में अवसर भी प्राप्त हो सकेंगे। साथ ही देश / प्रदेश के गणमान्य नागरिकों को व्यवस्था में सकारात्मक योगदान देने का अवसर प्राप्त होगा।

Officer-in-Charge - Dr. Arvind Tomar Contact Number : 9827230544

11. पुनर्जनी:

· इस पहल का उददेश्य ‘’अपशिष्ट-से-कला’’ अर्थात अपशिष्ट का उपयोग कर उत्पादन करना है।

· इस पहल में चक्रीय अर्थव्यवस्था के तहत संस्थाओं के माध्यम से अपशिष्ट के पुन: उपयोग को बढावा दिया जाएगा

· उत्पादों को पुनर्जनी ब्रांड से प्रदर्शित किया जाएगा ताकि उत्पादों को सही पहचान मिल सके ।

Officer-in-Charge - Er. SAK Rao Contact Number : 9407278997

12. तकनीकी और कौशल शिक्षा क्षेत्र के लिए एंटरप्राइज आर्किटेक्चर:

· भविष्य में निजी और सार्वजनिक उपक्रमों के शिक्षा क्षेत्र में अधिकाधिक सम्मिलित होने की संभावनाएं हैं। अतएव इस क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली (डेटा स्ट्रक्चर) के मानकों को निर्धारित किया जाना आवश्यक है ।

· इस पहल में एक एंटरप्राइज आर्किटेक्चर विकसित किया जाकर डेटा संरचनाओं के मानकों को निर्धारित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है।

· शिक्षा के क्षेत्र हेतु विकसित किये जाने वाले इस एंटरप्राइज आर्किटेक्चर को India (इंडिया एंटरप्राइज आर्किटेक्चर) ढांचे के तहत विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

Officer-in-Charge - Dr. N.K Sharma Contact Number : 9425680869

13. हर्ष (HARSH – Holistic Assessment of Requirement for Support and Handholding - समर्थन और सहायता की आवश्यकता का समग्र मूल्यांकन: / U.S.E. - Universal Social Engagement) :

· सम्पूर्ण सामाजिक संलग्नता को बढ़ावा देने के लिए युवाओं की संलग्नता शिक्षा, उद्यमिता, रोजगार, प्रशिक्षुता, नवीनतम कृषि पद्धतियों का विस्तार या व्यावसायिक अवसरों में हो सकती है। इस हेतु प्रारंभ की जा रही पहल को हर्ष / संपूर्ण सामाजिक संलग्नता योजना से नामांकित किया गया है ।

· योजना के तहत निर्मित किये गये पोर्टल www.harsh.mp.gov.in से सभी व्यक्तिगत लाभार्थी योजनाओं के लिए आवेदन करने और असंगठित क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान किया जाएगा।

Officer-in-Charge - Dr. Akhil Sitokey Contact Number : 9425028105

14. Embracing SKILL (Something Key in Loving Life):

· कौशल जीवन के हर चरण में प्रत्येक व्यक्ति के लिए है और जीवन का पूरा आनंद लेने में महत्वपूर्ण है।

· सभी आयु समूहों के लिए निरंतर कौशल के प्रति दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए, एक ऐसा मंच बनाने का प्रयास प्रस्तावित है जिसमें व्यक्ति सीखने के लिए मदद ले सकें और जो लोग आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हैं वे आवश्यक कौशल प्रदान करने में सक्षम होंगे।

· यह उन लोगों के बीच समन्वय स्थापित करेगा जो जिन्हें कौशल की आवश्यकता है और जो कौशल प्रदान कर सकते हैं ।

15. प्रोजेक्ट कोड*: (CODE - Computer on demand education -* कंप्यूटर ऑन डिमांड शिक्षा*)*

· कंप्यूटर शिक्षा की आवश्यकता प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

· कंप्यूटर सीखने का अवसर प्राप्त करने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि अधिकतम लोगों के लिए कंप्यूटर ज्ञान उपलब्ध कराकर डिजिटल विभाजन को कम किया जाए।

· इसे प्राप्त करने के लिए सभी शैक्षणिक संस्थानों को अपने स्वयं के छात्रों की आवश्यकता से समझौता किए बिना अपने संसाधनों को साझा उपयोग के लिए उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ऐसी एजेंसियों के साथ सहयोग विकसित किया जाएगा जिनका उद्देश्य कोडिंग में शिक्षा को व्यापक बनाना है ताकि अधिकतम लाभ हो।

16. EKALAVYA (Earlier Knowledge and Learning Assessed and Valued for Your Advancement)

· पूर्व शिक्षा की पहचान राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है। एकलव्य कार्यक्रम गैर-औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा को स्वीकार करने और उसका मूल्यांकन करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

· कौशल पहचान के लिए एक संरचित दृष्टिकोण को एकीकृत करके, इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय शैक्षिक लक्ष्यों और रोजगार रुझानों के अनुरूप अधिक कुशल मानव संसाधन बनाना है।

· इस रणनीतिक पहल का शिक्षा और रोजगार पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, जिससे राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा।